राजकीय महिला महाविद्यालय, बदायूँ

प्रेस विज्ञप्ति

''जब हम होंगे सजग और स्वथ तभी तो मुस्करायेगा भारत, जीतेगा भारत'' की संकल्पना, विश्वास और लक्ष्य के साथ राजकीय महिला महाविद्यालय बदायूँ की छात्राएं एवं महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ सफलता हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जहाँ एक ओर शिक्षकों पर बची हुयी परीक्षाओं हेतु शिक्षण साम्रगी ऑनलाइन माध्यम से हर छात्रा तक पहुंचाने की चुनौती है वहीं दूसरी ओर एक जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य भी सभी को निभाना है, सरकार द्वारा समय–समय पर दिये गये दिशा निर्देशां, उच्च शिक्षा विभाग उ0प्र0 व रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत आदेशों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों द्वारा उनके व्हाट्सएप ग्रुप नम्बर पर छात्राएं संपर्क स्थापित कर अपने विषयों से सम्बन्धित समस्यायें, परीक्षा हेतु आवश्यक निर्देशां को प्राप्त कर रही हैं, इसके अतिरिक्त 15 अप्रैल से ऑनलाइन माध्यम से भी जूम एप द्वारा या महाविद्यालय की बेवसाइट पर शिक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा। हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र एवं गणित विषयों की छात्राऐं महाविद्यालय की बेवसाइट पर दिशा निर्देश प्राप्त कर सकती हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मनीषा भूषण एवं डॉ0 वन्दना कार्यक्रम समन्वयक या नोडल अधिकारी द्वारा सम्पन्न करायी जा रही ऑनलाइन मीटिंग में प्रतिभागिता करते हुए अपने अमूल्य सुझावों को शासन स्तर पर साझा कर रहीं हैं। 200 स्वयं सेवी छात्राओं की सूची शासन के निर्देशानुसार व उनमें से चयनित वालियन्टर्स की सूची प्रेषित कर दी गयी है। इसके अतिरिक्त छात्राएं पोस्टर्स, कविता, लेख आदि के माध्यम से सोशल मीडिया पर जागरूकता अभियान चला रही हैं। सेजल गुप्ता, साक्षी यादव, रेखा, आकांक्षा शर्मा, ओशीन, अलीशा, अन्जुम आदि स्वयं सेवी छात्राएं घर पर मास्क बनाकर उसे प्रयोग करने हेतु अपने परिवार, समाचार पत्र विक्रेता, दूधवाला, सब्जीवाला निकटतम किराने की दुकानदार को भी देने का कार्य कर रही हैं जिससे प्रत्येक नागरिक में घर पर बने मास्क की उपयोगिता समझ में आये तथा इसका प्रयोग वह अनिवार्य रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल कर ले। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा जारी आरोग्य सेतु एप के बारे में भी सूचना का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ एवं लगभग 250 छात्राओं द्वारा इसे डाउनलोड कर अपना पंजीकरण करा लिया गया है व प्रत्येक छात्रा को अन्य पाँच परिवारों को इसके बारे में जानकारी देने का लक्ष्य दिया गया है।

इस वैश्विक संकट के समय जब एक सूक्ष्मजीवी वायरस हमारे सामने एक चुनौती है तो संयम और विश्वास की डोर ही इसका सामना करने एवं आगे बढ़ने में हम सब को बांधे रख सकती है। ऐसे समय में युवाओं का दायित्व है वे अपने परिवार व आस–पास के वृद्ध व्यक्तियों, असहाय या जरूरतमन्द लोगों का विश्वास बढ़ाये व उनकी सहायता करें, सामाजिक दूरी का पालन करते हुए भी हम वसुंधैव कुटुम्बकम की अपनी परम्परा को बनाये रखें, शासन–प्रसाशन को अनुशासन बनाये रखने में शत–प्रतिशत अपना–अपना योगदान दें, यही आज की आवश्यकता है। जैसे बूँद–बूँद से सागर भरता है वैसे ही यदि हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझेगा तो निश्चित ही भारत बहुत जल्दी फिर से गतिशील हो जायेगा।

दिनांक– 13.04.2020

प्रो0(डॉ0 स्मिता जैन)
प्राचार्या
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ